कक्षा : 9
विषय : हिन्दी वार्षिक परीक्षा
[प्रश्नपत्र के उत्तर]

Page No.:
Date: / /

[विभाग - A गद्यविभाग] (गुण)

1. वीरता (1)
2. गांधी (1)

3. परिचित होकर भी गुरुकर्मा सदा..... अपरिचित सा लगता है। (1)
4. भारतीजी की माँ को चिन्ता रहती की---
→ लडका कहीं साधु बनकर भाग न जाए। (1)

5. लेखक की प्रिय पुस्तक स्वामी दयानंद सरस्वती की जीवनी "सत्यार्थप्रकाश" थी। (1)

6. विक्रमसंवत का आरंभ उज्जैन के राजा विक्रमादित्य [विक्रम] ने करवाया था। (1)

7. शेखर उन्हें खोलकर गाने लगा, "गांधीजी का बोलबाला। दुश्मन का मुंह काला।" (1)

8. भारतवासी मालाएँ लेकर स्वामी विवेकानंद का स्वागत करने दौड़े। (1)

• दो या तीन वाक्यों में उत्तर। [प्रत्येक के - 2 गुण] 04

9. मोहन का घर आगरा में था। माँ- बाप के गुजर जाने के बाद बडे भाई ने उसकी परवरिश की थी। बडा भाई वकील था और शादीशुदा था। मोहन बी.ए. पास करने के बाद नौकरी खोज रहा था।

Page No.:
Date: / /

10. खूनखेल के बारे में प्रियंवदा ने मनमोहन से कहा कि इस काम करनेवाला तो खुद खून होता है। जो खुद खून है, उसे दूसरे खून से क्या डर?

● पाँच: छ: वाक्य में उत्तर लिखिए। 4+4 = (08)
[प्रत्येक के 4 अंक]

11. गोवर्धनदास में महंत जैसी दूरदृष्टि नहीं थी। उसे बस अपना पेट भरने की चिंता रहती थी। अंधेरी नगरी में टके सेर मिठाई मिलती थी। गोवर्धनदास को मिठाई खाने का शौक था। अंधेरी नगरी में रहकर वह कम पैसों में भी भरपेट मिठाई खा सकता था। इसलिए ...

12. सम्राट अशोक ने एक राजकर्मचारी की हत्या की थी। इस अपराध के लिए न्यायमंत्री ने उन्हें मृत्युदंड देने की घोषणा की थी। परंतु अपराधी और कोई नहीं स्वयं सम्राट थे। शास्त्रों में राजा को ईश्वररूप माना गया है। इसलिए उसे केवल ईश्वर ही दंड दे सकता है। न्यायमंत्री ने सम्राट की जगह उनकी सोने की मूर्ति को फाँसी पर लटकवा दिया।

अथवा

12. माँ ने भारतीजी को पिक्चर देखने के लिए दो रुपये दिए थे। माँ चाहती थी कि इन रुपयों से टिकट लेकर लेखक अपना मनोरंजन करे। लेकिन लेखक ने ऐसा नहीं किया। उसने माँ के दिए हुए रुपयों से 'देवदास' नाम की पुस्तक खरीद की। इसका कारण यह है कि लेखक के मन में किताबें इकट्ठी करने की धुन सवार हो गई थी।

Page No. :
Date : / /

[विभाग - B : पद्य विभाग]

13. सुख्व (1)
14. आर्य (1)

- काव्यपंक्ति पूर्ण कीजिए। (02)

तू ओं चाहे पर्वत पहाड़ों की फ्रोड़ है,
तू ओं चाहे नदियों के मुख की भी भोड़ है।

15. धरती-सा धीर मनुष्य को कहा गया है। (1)
17. कवि दुःखी लोग दुःखों से मुक्त हों ऐसी मनोकामना चाहते हैं। (1)
18. धन-संपत्ति परोपकार के लिए है। (1)
19. प्रकृति के नव्य पूछ रहे हैं कि वीरों का वसन्त कैसा होना चाहिए। (1)

- दो या तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए। 2+2 = (4)

20. तुलसीदासजी कहते हैं कि भगवान अत्यंत दयालु, दानी और पापहर्ता है। वे अनाथों के नाथ, दुःखियों के दुःख दूर करनेवाले तथा सब तरह से हितैषी है।

21. वीरों का कैसा हो वसन्त? ऐसा हिमालय पर्वत, सागर, पूर्व-पश्चिम दिशाएँ, पृथ्वी और आकाश तथा क्षितिज भी यह प्रश्न पूछ रहे हैं।

- पाँच-छः वाक्यों में उत्तर। 4+4 = (8)

22. कवि ने कविता में पहाड़, नदियाँ, धरती, आकाश, हवा जैसे प्राकृतिक दृश्यों का चित्रण किया है। कवि ने मनुष्य को असीम शक्तियों से संपन्न बताया है

वह कहते हैं कि मनुष्य चाहे तो पर्वतों को फोड़ सकता है। वह चाहे तो नदियों के प्रवाह को भी मोड़ सकता है। वह अगर ठान ले तो धरती और आकाश को भी जीत सकता है। मनुष्य पवन-सा गतिमान है। इसलिए वह आकाश में ऊँची-से ऊँची उड़ान भरने में समर्थ है।

23. वृक्ष अपने फल स्वयं नहीं खाते। सरोवर अपना पानी स्वयं नहीं पीते। रहीमजी कहते हैं कि हमें भी इनसे प्रेरणा लेनी चाहिए। अपनी जमा की गई धन-संपत्ति का उपयोग हमें केवल अपने सुख के लिए नहीं करना चाहिए। हमें उसके द्वारा दूसरों की भलाई भी करनी चाहिए।

अथवा

23. संसार में विज्ञान ने बहुत उन्नति कर ली है, फिर भी दुनिया में ऊँच-नीच, जाति-पाँति, अमीर-गरीब आदि कई भेद हैं। इन भेदभावों के कारण मानव-समाज में ईर्ष्या-द्वेष और संघर्ष है। इनके कारण मानव-एकता में बाधाएँ आती हैं और हमारा विश्वबंधुत्व का सपना पूरा नहीं होता। इसलिए कवि इन भेदों को नाश करने की बात करते हैं।

[विभाग - C : व्याकरण विभाग]

24. तहस-नहस होना अर्थ: $\frac{1}{2}$ + वाक्य: $\frac{1}{2}$ = (1)
अर्थ: → नष्ट होना।
वाक्य: → बाढ़ के कारण सारा गाँव तहस-नहस हो गया।

25. रात-दिन एक करना (1)
अर्थ: → कड़ी मेहनत करना।
वाक्य: → किसान रात-दिन एक करके फसल पैदा करता है।

Page No.:
Date:

26. चार दिनों की चाँदनी फिर अँधेरी रात । (1)
→ थोड़े समय का सुख ।

27. नाच न आने आँगन टेढ़ा । (1)
→ गुण न होने पर बहाना बनाना या दूसरों को दोष देना ।

28. आज मौसम सुहावना है। (1)
29. तुम्हारा स्कूल कहाँ है। (1)

30 आनंद x शोक (1)
31. रोगी x निरोगी (1)

32. मनुज = मनुष्य, मानव (1)
33. भुजंग = साप, सर्प (1)

34. मृग नाभि से निकलनेवाला सुगंधित पदार्थ: कस्तूरी (1)
35. घोड़े पर बैठकर की जानेवाली सवारी: घुड़सवारी (1)

36. देव + इन्द्र = देवेन्द्र (1)
37 अत्याधिक = अति + अधिक (1)

38. भाववाचक संज्ञा = धृता (1)
39. भाववाचक संज्ञा = शूरवीरता (1)

40. कर्तृवाचक संज्ञा = साहित्यकारों (1)
41. कर्तृवाचक संज्ञा = मेहनतकश (1)

42 विशेषण = भारतीय (1)
43 विशेषण = अंतिम (1)

44. ऋषि - मुनि = द्वन्द्व समास (1)
45. नवग्रह = द्विगु समास (1)

[विभाग - D : कौशल विभाग]

46. शिक्षक के ऊपर भावी नागरिक का निर्माण करने की जिम्मेदारी है। (1)

47. वीरता सैनिक शिक्षक के द्वारा ही बन सकता है। (1)

48. हमारे अहिंसक आंदोलन ने दुनिया को दिखा दिया है कि शिक्षक सैनिकों से अधिक बड़ा है। (1)

● विचार - विस्तार स्पष्ट कीजिए। [03]

49. यह दोहा कबीर का लिखा हुआ है। कबीर ज्ञानमार्गी संत थे। उनके अनुसार एक ही कुएँ पर अनेक पनिहारिनें पानी भरती हैं। इन सबके बरतन अलग - अलग होते हैं। परंतु सभी बरतनों में पानी एक ही होता है। इसी प्रकार परमात्मा एक ही है। उनकी उपासना करनेवाले लोग अलग - अलग धर्मों के होते हैं। सबकी उपासना - पद्धतियाँ भी अलग - अलग होती हैं। उनके सपने - अपने पूजा - स्थल होते हैं। इन विभिन्नताओं के बावजूद सब उसी एक परमात्मा की कृपा प्राप्त करना चाहते हैं।

अथवा

49. हमारे जीवन व्यवहार में वाणी का बहुत महत्व है। वाणी के सदुपयोग से हमारे विरोधी भी हमारे समर्थक बन सकते हैं। वाणी के दुरुपयोग से हमारे शत्रु बन सकते हैं। इसलिए हमें ऐसी वाणी बोलनी चाहिए जिसमें अहंकार का भाव न हो, क्योंकि अहंकार से ही वाणी में कटुता आती है।

हमारी वाणी अहंकाररहित होनी चाहिए। जिस वाणी में अहंकार नही होता, उसी में अपनेपन की मिठास होती है। ऐसी वाणी बोलने से वक्ता और श्रोता दोनों को सुख मिलता है।

• कहानी - लेखन (3)

50. शीर्षक - संगति का प्रभाव / जैसा वातावरण, वैसे संस्कार

सीख - सचमुच, बच्चों पर अच्छे - बुरे वातावरण का भारी प्रभाव पड़ता है।

नोंद :→ योग्य शीर्षक, विषयवस्तु, अंत, सीख, वर्तनी, विरामचिह्नों को ध्यान में रखकर गुणांकन करना।

51. संवाद लेखन। (3)

→ योग्य विषयवस्तु, वर्तनी, विरामचिह्नों को ध्यान में रखकर गुणांकन करना।

अथवा

51. पत्रलेखन।

पता और दिनांक, संबोधन, अभिवादन, विषयवस्तु, वर्तनी, विरामचिह्नों, समाप्ति आदि को ध्यान में रखकर गुणांकन करना।

• निबंध लेखन (06)

52. मेरी प्रिय पुस्तक / होली आई रे.... / मेरा देश

नोंद :→ निबंध का प्रारंभ, मध्य भाग, अंत, वर्तनी, विरामचिह्नों, वाक्य रचना, लिखावट, स्वच्छता आदि को ध्यान में रखकर गुणांकन करना।